मुक्त चिन्तन

News Letter

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

मुक्त चिन्तन

25 दिसम्बर, 2024

मुक्त विश्वविद्यालय में अटल जी की प्रतिमा स्थापित

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज में अटल बिहारी बाजपेई सुशासन पीठ के तत्वावधान में बुधवार दिनांक 25 दिसम्बर, 2024 को भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री पंडित अटल बिहारी बाजपेई का सौवां जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर सरस्वती परिसर में अटल प्रेक्षागृह के समीप अटल बिहारी बाजपेई की प्रतिमा की स्थापना की गई। जिसका अनावरण राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल के संरक्षकत्व में कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने किया। इस अवसर पर अटल जी को याद करते हुए उनके प्रति श्रद्धा सुमन अर्पित किए गए।

छात्रों को सम्बोधित करते हुए माननीय कुलपति प्रो० सत्यकाम जी

उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज
श्रीमती आनंदीबेन पटेल

उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय,
भारत के पूर्व प्रधानमंत्री
भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेई जी
प्रतिमा की स्थापना
श्रीमती आनंदीबेन पटेल
आचार्य सत्यकाम
कर्नल विनय कुमार

उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

राष्ट्र के विकास में अटल जी का अमूल्य योगदान– राज्यपाल

अटल जन्मोत्सव पर अटल प्रेक्षागृह में आयोजित समारोह में प्रदेश की राज्यपाल एवं विश्वविद्यालय की कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने राजभवन से ऑनलाइन संदेश देते हुए कहा कि अटल जी ने राष्ट्र के विकास में अमूल्य योगदान दिया। वह बहुमुखी प्रतिभा के धनी महापुरुष थे। वे अच्छे कवि व पत्रकार के साथ ही लोकतंत्र के प्रहरी थे। वह सामाजिक समरसता पर जोर देते थे और महिला सशक्तिकरण के प्रबल समर्थक थे।

श्रीमती पटेल ने कहा कि अटल जी के प्रेरक नेतृत्व में भारतीय अर्थव्यवस्था ने स्थिर वृद्धि प्राप्त की और देश के सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अग्रणी बनने का मार्ग प्रशस्त किया। अटल बिहारी बाजपेई का व्यक्तित्व विद्यार्थियों के लिए प्रेरक है। उनकी बहुत सी बातें ऐसी हैं जिन पर विद्यार्थियों को मनन करना चाहिए। शिक्षा द्वारा ही युवाओं में राष्ट्र प्रेम का भाव जागृत किया जा सकता है। उन्होंने विश्वविद्यालय में अटल जी की प्रतिमा स्थापित होने पर हर्ष व्यक्त किया।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय परिवार के स्वास्थ्य कल्याणार्थ प्राची अस्पताल से समझौता ज्ञापन पत्र पर कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम की मौजूदगी में कुलसचिव कर्नल विनय कुमार ने एवं अस्पताल प्रबंधन ने हस्ताक्षर किया। इसके साथ ही कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने प्रवेश सत्र जनवरी 2025 से कुम्भ अध्ययन में प्रमाण पत्र कार्यक्रम के संचालन संबंधी घोषणा की तथा विश्वविद्यालय के वार्षिक प्रतिवेदन तथा नववर्ष के कैलेंडर का लोकार्पण किया।

कार्यक्रम का संचालन करते हुए डॉ0 त्रिविक्रम

विश्वविद्यालय कुलगीत की प्रस्तुती

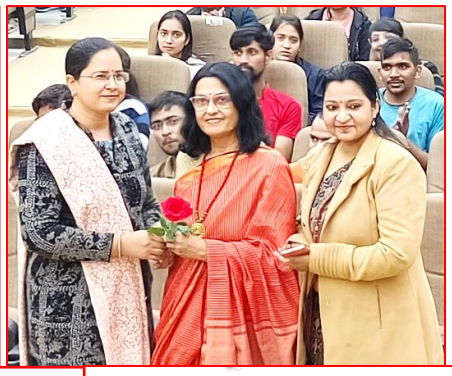

माननीय अतिथियों को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत करते हुए विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण

कार्यक्रम की रूपरेखा अटल बिहारी बाजपेई सुशासन पीठ के निदेशक प्रोफेसर पी0 के0 पाण्डेय ने प्रस्तुत की। समारोह का संचालन डॉ त्रिविक्रम तिवारी और धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव कर्नल विनय कुमार ने किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के निदेशक, शिक्षक, कर्मचारी, शोध छात्र एवं लाल बहादुर शास्त्री राजकीय होम्योपैथी कॉलेज के छात्र–छात्राएं आदि उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए अटल बिहारी बाजपेई सुशासन पीठ के निदेशक प्रोफेसर पी0 के0 पाण्डेय

समझौता ज्ञापन पत्र पर हस्ताक्षर

विश्वविद्यालय परिवार के स्वास्थ्य कल्याणार्थ प्राची अस्पताल से माननीय कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम की मौजूदगी में समझौता ज्ञापन पत्र पर हस्ताक्षर करते हुए कुलसचिव कर्नल विनय कुमार एवं अस्पताल प्रबंधक डॉ0 प्रशान्त पटेल

कुम्भ अध्ययन में प्रमाण–पत्र कार्यक्रम की स्व–अध्ययन सामग्री का विमोचन

कुम्भ अध्ययन में प्रमाण–पत्र कार्यक्रम की स्व–अध्ययन सामग्री का विमोचन करते हुए माननीय कुलपति प्रोफेसर सत्यका मजी एवं अन्य

विश्वविद्यालय के वार्षिक प्रतिवेदन तथा नववर्ष के कैलेंडर का लोकार्पण करते हुए माननीय कुलपति प्रोफेसर सत्यका मजी एवं अन्य

जनवरी से कुम्भ अध्ययन में प्रमाण पत्र– कुलपति

अटल जी भारत की महत्वपूर्ण शख्सियत थे – प्रोफेसर सत्यकाम

विश्वविद्यालय परिसर में भारत रत्न पंडित अटल बिहारी बाजपेई की आदमकद प्रतिमा की स्थापना के उपरांत कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने अपने संबोधन में कहा कि अटल जी भारत की महत्वपूर्ण शख्सियत थे। उन्होंने कहा कि भावुक होना एक राजनीतिज्ञ की कमजोरी होती है लेकिन उसे भावुकता को अटल जी ने एक शिला की तरह अटल कर दिया और ऐसे भारत के निर्माण की नींव रखी जिसमें हम अपने को पहचान सकें कि हम भारतीय हैं।

धन्यवाद ज्ञापन करते हुए कुलसचिव कर्नल विनय कुमार

राष्ट्रगान